वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 95 | मंगलवार 29 जुलाई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

हरियाली तीज पर जयपुर जिला प्रशासन ने कायम किया पौधारोपण का रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से जयपुर में लक्ष्य से दोगुना हुआ पौधारोपण

मिशन हरियालो राजस्थान के तहत पौधारोपण में प्रदेश के 41 जिलों में जयपुर अव्वल। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में मिशन मोड पर हुआ पौधारोपण, प्रभावी कार्ययोजना एवं नियमित मॉनिटरिंग के चलते टीम जिला प्रशासन के प्रयास लाए रंग

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से हरियाली तीज के अवसर पर जयपुर जिला प्रशासन ने एक ही दिन में पौधारोपण का रिकॉर्ड कायम किया है। जयपुर के मदाऊ स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 76वें वन महोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पौधारोपण किया। वहीं, जयपुर जिला प्रशासन द्वारा मिशन हरियालो राजस्थान के तहत संपूर्ण जयपुर जिले में एक ही दिन में आवंटित लक्ष्य (21 लाख पौधारोपण) के दोगुना से भी अधिक 42 लाख 2 हजार 139 पौधारोपण कर प्रदेश के 41 जिलों में प्रथम स्थान हासिल किया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मिशन हरियालो राजस्थान का शुभारंभ किया था। उप वन संरक्षक वी. केतन कुमार ने बताया कि हरियाली तीज के अवसर पर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन एवं नेतृत्व में जिला प्रशासन ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत पूरे जिले में कुल 42 लाख 2 हजार 139 पौधारोपण किये गए। प्रभावी कार्ययोजना एवं नियमित मॉनिटरिंग के चलते टीम जिला प्रशासन के प्रयास रंग लाए एवं राजकीय विभागों, निकायों, निगमों ने सहयोग, समन्वय एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की पेश मिसाल करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। जयपुर में हरियाली तीज के अवसर पर पौधारोपण को लेकर आमजन में भी खासा उत्साह देखने को मिला, जन भागीदारी से वन महोत्सव जन महोत्सव में तब्दील हो गया, माधोराजपुरा सहित अन्य उपखण्डों में ग्रामीण लोक गीतों पर थिरकते हुए वन महोत्सव कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा सर्वाधिक 14 लाख 58 हजार 454 पौधारोपण किये गए, वहीं, वन विभाग द्वारा जयपुर में 2 लाख 55 हजार 218, प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा 5 लाख 2 हजार 229, श्रम विभाग द्वारा 84 हजार 250, रक्षा विभाग द्वारा 2 हजार 80, मनरेगा के तहत 6 लाख 38 हजार 973, उद्यानिकी विभाग द्वारा 17 हजार 609, पशुपालन विभाग द्वारा 3 हजार 403, खनिज विभाग द्वारा 11 हजार से अधिक पौधारोपण किये गए। वी. केतन कुमार ने बताया कि मिशन हरियालो राजस्थान के तहत जयपुर जिले में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम द्वारा 3 हजार 200, आईसीडीएस द्वारा 3 हजार 583, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 16 हजार 160, कृषि विभाग द्वारा 44 हजार 417, स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा 2 लाख 90 हजार 928, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 4 हजार 595, आयुर्वेद विभाग द्वारा 401, वाटरशेड विभाग द्वारा 5 हजार से अधिक, राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम द्वारा 2 हजार 164 पौधारोपण किये गए। उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में परिवहन विभाग द्वारा 5 हजार, राजस्व विभाग द्वारा 51 हजार 419, पुलिस विभाग द्वारा 1 हजार 270, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 1 लाख 12 हजार 456, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 6 हजार 541, सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 1 लाख 39 हजार 476, सिंचाई विभाग द्वारा 2 हजार 120, जल संसाधन विभाग द्वारा 9 हजार 805, उद्योग विभाग द्वारा 19 हजार 548, शहरी विकास विभाग द्वारा 61 हजार 708, कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 100, शहरी विकास एवं आवासन विभाग द्वारा 59 हजार 549, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 1 हजार 901, नगर निगम जयपुर हैरिटेज द्वारा 2 लाख 7 हजार 217, नगर निगम जयपुर ग्रेटर द्वारा 1 लाख 5 हजार 635 सहित अन्य विभागों के द्वारा 18 हजार से अधिक पौधारोपण किये गए।

कलम को अनुभव की स्याही से समर्थ बनाएं: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

टोंक में शांति समागम राष्ट्रीय पत्रकार संगोष्ठी संपन्न

टोंक. शाबाश इंडिया

परम पूज्य वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में रविवार 27 जुलाई को प्रातः 8:00 बजे से 20वीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज का आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी समारोह के अंतर्गत श्शांति समागम राष्ट्रीय पत्रकार संगोष्ठीश्र भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया की अध्यक्षता में, विशिष्ट अतिथि सरोज बंसल प्रधान पंचायत समिति टोंक, दिशावोध पत्रिका के प्रधान संपादक चिरंजीलाल बगड़ा कोलकत्ता के निर्देशन में, जैन संदेश के संपादक एडवोकेट अनूपचंद जैन फिरोजाबाद के मुख्य वक्ता, अतिथि पदम बिलाला जयपुर, इंजी आशीष जैन धार आदि के साथ जैन जगत के वरिष्ठ संपादक, पत्रकार, लेखक जो विभिन्न प्रांतो से उपस्थित हुए उनकी उपस्थिति में तीन सत्रों में 5.30 बजे तक श्री दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी अमीर गंज , टोंक में स्थित विशाल पांडाल में धूमधाम से संपन्न हुई। संगोष्ठी के मुख्य संयोजक राजेंद्र महावीर सनावद ने अवगत कराया की अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। स्थानीय समाज की बालिकाओं द्वारा नृत्य के माध्यम से सुंदर मंगलाचरण किया। इस अवसर पर संपादकों, संवाददाताओं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पदाधिकारियों, अतिथियों व समाज टोंक के पदाधिकारियों द्वारा आचार्य शांति सागर जी की परंपरा के आचार्यों के अर्घ्य चढ़ाये गये । राजेंद्र जैन महावीर ने संचालन करते हुए कहा कि गोष्ठी की पूर्व संध्या पर आचार्य श्री के सानिध्य में स्थानीय मीडिया कर्मी व पत्रकारों का सम्मेलन आयोजित किया गया, उन्होंने गोष्ठी शाति समागम ,समागम से संवाद, संवाद से समाधान, समाधान से समन्वय, समन्वय से समाज, समाज से सद्भावना, सद्भावना से समृद्धि ,समृद्धि से सहानुभूति, सहानुभूति से संवेदना, संवेदना से शांति पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने सभी पत्रकारों को मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा कि देश शास्त्र गुरु के प्रति निष्ठा रखते हुए भगवान महावीर, कुंद कुंद आमनाय,20वीं शदी के चारित्र चक्रवती आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज के उपकारों , सिद्धांतों को आगे बढ़ायें, धर्म प्रभावना कर अपने-अपने समाचार पत्रों में प्रकाशित कर जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। पत्रकार सभी मिलकर एक आदर्श समाज का निर्माण करें और कलम को अनुभव की स्याही से समर्थ बनायें। आचार्य जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आप सभी ऐसे कुल में पैदा हुए जिन्हें तीर्थंकरों की वाणी , आदर्श व उपदेश सुनने और पालन करने का अवसर मिल रहा है, जैन कुल में हो तो जैन सिद्धांतों को स्वयं पालना करें, व करवायें। गोष्ठी के मुख्य वक्ता व अनूपचन्द जैन फिरोजाबाद ने आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज के संसमरण सुनाये और उनके उपकारों का अपनी कलम का प्रयोग करते हुए चरित्र में डालने का प्रयास करें। इस अवसर पर अखिल बंसल, कमल जैन,सरोज बंसल, रमेश जैन तिजारिया ने अपने विचार रखे , उन्होंने जैन संस्कृति के संरक्षण व विकास के लिए पत्रकारों के समक्ष सारगर्भित विचार रखे और कहा कि पत्रकार निष्पक्ष होकर अपनी कलम चलाएं। प्रथम सत्र के पश्चात राजेंद्र महावीर व सुनील संचय ललितपुर ने सभी पत्रकारों का पूज्य आचार्य श्री से व्यक्तिश परिचय व आशीर्वाद दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो अत्यंत सराहनीय थी। परस्पर संवाद का द्वितीय सत्र 1:00 से प्रारंभ हुआ जिसका कुशल संचालन जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने किया इस सत्र में उपस्थित सभी सम्माननीय पत्रकारों को अपने अपने विचार रखने का अवसर दिया जिसके अन्तर्गत राकेश सफल चपलमन, डॉ कल्पना जैन, संजय बडजात्या ,चक्रेश जैन ,सुनील जैन सागर ,राजेश जैन ,राजेंद्र जैन, अखिलेश जैन ,पारस जैन, महावीर सरावगी, रविंद्र काला, साधना मदावत, डॉ प्रगति जैन इन्दौर ,अमित जैन, राजा बाबू गोधा, महेंद्र जैन ,मनीष जैन उदयपुर, विमल बज आदि ने अपने विचार रखे। डॉ प्रगति जैन ने कहा कि गोष्ठी के उद्देश्यों में शांति से सुकल्याण, सुकल्याण से सम्यक दर्शन और सम्यक दर्शन से मोक्ष सिध्दशिला जोड़ना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जैन सिद्धांत के संबंध में अपने विचार रखे जो सराहनीय थे। तृतीय सत्र दोपहर 2:00 बजे से प्रारंभ हुआ इसका कुशल संचालन डॉक्टर सुनील जैन ललितपुर व डॉक्टर प्रगति जैन इंदौर ने किया जिसके मुख्य वक्ता चिरंजीलाल बगडा थे। अध्यक्षता एडवोकेट अनूप जैन फिरोजाबाद ने की, विशिष्ट अतिथि दैनिक आचरण के प्रधान संपादक सुनील जैन सागर पूर्व विधायक थे। इस सत्र में राकेश चपलमन, राजीव प्रचंडिया आदि ने अपने विचार रखें। इसी क्रम में इसी सत्र में पूज्य आचार्य श्री अपने उद्बोधन में सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज क्षुल्लक श्री विशाल सागर जी महाराज का अंतिम समय जानकर विधिपूर्वक मुनि दीक्षा के संस्कार दिए तत्पश्चा उन्हें णमोकार महामंत्र का उच्चारण एवं स्वाध्याय सुनाया के साथ संलेखना पूर्वक उत्कृष्ट समाधि कराई। आचार्य श्री ने तृतीय सत्र में चल रही पत्रकार संगोष्ठी में उक्तमुनि दीक्षा व समाधि की घोषणा की सभी ने यह सुनकर आचार्य श्री की जय जयकार की व मुनि श्री विशाल सागर जी की जय जय कार की। राष्ट्रीय गोष्ठी में डॉ सुबोध मरोरा इंदौर, राकेश सोनी (देवपुरी वंदना) इंदौर, प्रतिभा जैन इंदौर ,मनोज सोगानी ,विजय कुमार जैन, रवि कुमार जैन, मनोज जैन जयपुर, अनिल सेठिया जिनवाणी संदेश, सुरेंद्र प्रकाश जैन जयपुर ,मुकेश जैन समाचार जगत, शैलेश कपाड़िया गुजरात ,अजय जैन, पारस जैन, प्रकाशन पाटनी ,राजेश जैन, डॉ आरके जैन, ए वी जैन ,टोनी जैन ,विमल बज, विमल जोला, डॉ सुशीला सालगिया, संजय जैन किशनगढ़, नवनीत जैन इटावा, राकेश संगी, ज्ञानचंद जैन निवाई, आदि पत्रकार, संपादक ,लेखक, महानुभाव उपस्थित थे। तृतीय सत्र में आचार्य श्री के सानिध्य में जैन गजट, तीर्थ वंदना, कोकली के राम फीचर फिल्म का पोस्टर , भारतीय गणित में आचार्य वीर सागर जी का योगदान आदि कृतियों का भी विमोचन संबंधित पत्रकार, संपादक ,विद्वानों में अतिथियों द्वारा किया गया । अंत में महोत्सव समिति टोंक ने सभी उपस्थित पत्रकारों का सुंदर गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। मुख्य संयोजक राजेन्द्र जैन महावीर, पवन कंटान टोंक ने आभार व्यक्त किया।

प्रेषक : उदयभान जैन जयपुर

गुणसागर कालोनी की महिला मंडल द्वारा छापरवाडा बांध पर लहरिया उत्सव का भव्य आयोजन किया गया

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के गुण सागर कॉलोनी की महिला मंडल के द्वारा आज श्रावण मास एवं हरियाली तीज के उपलक्ष में भव्य लहरिया का आयोजन किया गया कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने जानकारी पर बताया कि गुणसागर कालोनी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सुनिता पंसारी की अगुवाई में फागी कस्बे से 25 महिलाओं का एक दल दूदू तहसील के छापरवाडा बांध पर बस द्वारा पिकनिक स्पॉट पर लहरिया उत्सव मनाने हेतु गया कार्यक्रम में महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता पंसारी एवं मुन्ना कासलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं ने रंग बिरंगे परिधानों में सज -धज कर उत्सव की रौनक बढ़ा दी लहरिया छाई रे, पधारो म्हारे देश, जैसे गीतों की धुन पर महिलाओं ने समूह में नृत्य कर पिकनिक स्पॉट पर खूब आनंद लिया, राजस्थानी लोकगीत एवंभजनों में सभी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही, कार्यक्रम में ज्योति कासलीवाल एवं शिमला नला ने बताया कि मनोरंजन की दृष्टि से विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें हाउजी, रुमाल दुपट्टा, सितोलिया,ताली थाली जैसे म्यूजिकल खेलों में महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया, इस अवसर पर उपस्थित सभी महिलाओं ने पिकनिक स्पॉट पर उत्साह पूर्वक आनंद लिया। कार्यक्रम में निर्मला बजाज ने बताया कि महिला मंडल की अध्यक्षा सुनीता पंसारी, मुन्ना कासलीवाल, शिमला नला, त्रिशला नला, निर्मला बजाज, कमला कठमाणा,माया मोदी, मंजू कलवाड़ा, हेमा पहाड़िया, रानू कठमाना, अंजू मंडावरा सहित सभी महिलाओं ने उत्साह पूर्वक आनंद लिया। -**राजाबाबू गोधा जैन महासभा मिडिया प्रवक्ता राजस्थान**

वात्सल्य से पिघलता वैर, और विचारों से बनता भाग्य : उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

शांतिभवन में सोमवार को पूज्य संत रोड़ीदासजी महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित अष्टदिवसीय धर्मोत्सव के चौथे दिन आयोजित धर्मसभा में उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने कहा जहाँ वात्सल्य होता है, वहाँ बैर, ईर्ष्या और हिंसा की कोई जगह नहीं रह जाती। उन्होंने कहा कि वात्सल्य केवल पारिवारिक या मातृत्व भाव नहीं है, बल्कि यह एक आंतरिक करुणा है, जो व्यक्ति को क्षमा, सहनशीलता और सेवा के मार्ग पर अग्रसर करती है। यदि हर व्यक्ति के भीतर वात्सल्य का भाव विकसित हो जाए, तो समाज से द्वेष और कलह की समाप्ति संभव है। धर्मसभा में महासती विद्याश्री एवं साध्वी जयश्री ने कहा कि पाप और पुण्य किसी बाहरी शक्ति से नहीं बनते, बल्कि यह पूर्णत हमारे विचारों,दृष्टिकोण और कर्मों पर आधारित होते हैं। उन्होंने बताया कि सात्विक सोच, निर्मल वाणी और अहिंसक आचरण से ही पुण्य की उत्पत्ति होती है, वहीं छल, क्रोध और स्वार्थ पाप का मार्ग प्रशस्त करते हैं। सभा का संचालन मंत्री नवरतन भलावत ने किया। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि स्मृति दिवस के चौथे दिन उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा से कई श्रद्धालुओ ने चार उपवास के प्रत्याख्यान लिए तथा धर्मसभा के प्रारंभ में सभी श्रद्धालुओं ने नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया एवं उत्तर गुजरात से श्री संघ आया गया। धर्मसभा में भीलवाड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों के सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। -**प्रवक्ता निलिप्का जैन**

जयकारों के बीच जलेश्वर महादेव का अभिषेक व श्रंगार

जयपुर. शाबाश इंडिया

सावन के तीसरे वन सोमवार के अवसर पर दिल्ली रोड,बंगाली बाबा गणेश आश्रम स्थित स्वयं आत्माराम जलेश्वर महादेव मंदिर में भोले बाबा का भजनों की स्वर लहरियों के बीच अभिषेक व श्रंगार किया, । इस दौरान भजन कलाकारो ने भोले बाबा का भजनो से रिझाया। इस दौरान मंदिर प्रांगण भोले बाबा के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। आयोजन से जुड़े मुख्य यजमान चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला ने बताया कि आज सुबह जयकारों के बीच भोले बाबा का गन्ने के रस,दूध व दही से अभिषेक किया गया। इसके बाद बाबा का भव्य श्रंगार किया। इस मौके पर भजन कलाकार सुरेश पांचाल व पवन शारा ने कैलाश का वासी, शिव दरस करा दो... शिव बन गए रे महाकाल....जैसे भजनों से भोले बाबा को रिझाया। इस मौके पर प्रख्यात कथावाचक प्रियाशरण जी महाराज एमडी बांगड,गजेन्द्र लूनीवाल, नितेश अग्रवाल,ब्रज किशोर अग्रवाल,सुनील विजय,प्रवीण व मुरली शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ऐसी मीठी वाणी बोलिए जो शत्रु को भी मित्र बना दे: मुनि अनुपम सागर

श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में संयम भवन में वर्षायोग प्रवचन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जीवन में गुरू वचन एक रामबाण औषधि के समान है। जो अपने माता-पिता व गुरू की आज्ञा में नहीं है वो मात्र पुतले के समान है। उसे उपदेशों से समझ नहीं आता पर जीवन में जब ठोकर लगती है तब समझ जाता है। मधुर वचन बोलना व्यक्ति की शालीनता की पहचान होती है वरना अच्छी बाते तो दिवारों पर भी लिखी रहती है। ये विचार श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में वर्ष 2025 का चातुर्मास कर रहे पट्टाचार्य आचार्य विशुद्धसागर म.सा. के शिष्य मुनि अनुपम सागर ने सोमवार को संयम भवन में प्रातःकालीन चातुर्मासिक (वर्षायोग) प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ये हमारे वचन ही होते है जो किसी को भी दोस्त ओर शत्रु बना सकते है। मीठी वाणी दुश्मन को भी मित्र बना देती है तो कड़वे बोल कई बार मित्र को भी शत्रु में बदल देते है। हमे ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो सामने वाले के गुस्से को भी प्रेम में बदल दे। प्रवचन में मुनि निर्मोहसागर महाराज ने कहा कि परिवार एवं समाज में सुख,शांति,खुशहाली व समृद्धि चाहिए तो वाणी में मधुरता होनी चाहिए। व्यक्ति की वाणी ही उसके व्यक्तिव का परिचायक होती है। जो सत्यता पर आधारित मीठे वचन बोलते है वह सभी के प्रिय होते है। ऐसे व्यक्तियों से बचना चाहिए जो मीठा तो बोलते पर झूठ का सहारा लेते है। झूठ का सहारा लेने वाला जीवन में कर्म बंध करके दुख प्राप्त करता है।

वेद ज्ञान

ईश्वर का चिंतन करना जरूरी

प्रायः हम कहते हैं कि हमें ईश्वर प्राप्ति के लिए ईश्वर का चिंतन करना चाहिए। इस संदर्भ में सवाल यह उठता है कि हम उसका चिंतन कर भी कैसे सकते हैं, जिसके बारे में हमारा कोई अनुभव नहीं। वहीं जो लोग ईश्वर को जानने का दावा करते हैं, वे सब सुनी-सुनाई बातें हैं, जिसे हम अपना ईश्वरीय ज्ञान मान लेते हैं, जो सरासर मूर्खता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं। मन ही सर्वाधिक तीव्रगामी है। विचार ही मन की शक्ति है, किंतु जहां मन की सीमा समाप्त होती है, वहां से परमात्मा की सीमा शुरू होती है, किंतु इसका आशय यह नहीं कि यहां क्षेत्र बंटे हुए हैं। इसका आशय मात्र इतना है कि जब मन यानी विचार थककर गिर जाते हैं, तब उस परमात्मा की अनुभूति होती है। विचार रूपी धूल झड़ गई, मन रूपी आईना स्वच्छ हो गया, तब हम उसे देख सकते हैं, जो सब में निहित है। विचारों की शक्ति कुल मिलाकर उस अंधे की लाठी के समान है, जिसके द्वारा हम सागर की थाह पाने की चेष्टा करते हैं, जो अंततः हमें तनावग्रस्त बना देते हैं। उपनिषदों में कहा गया है कि ईश्वर ने संपूर्ण सृष्टि की रचना की, सारी कर्मेंद्रियों का रुख बाहर की ओर रखा और स्वयं हमारे भीतर हमारी हृदय गुहा में छिप गया। अब चूंकि हमारी समस्त कर्मेंद्रियों के द्वार बाहर की ओर खुलते हैं और हमारी सारी उपलब्धियां बाहर प्राप्त होती हैं। इसलिए हम ईश्वर को भी बाहर पाना चाहते हैं। इस प्रकार ईश्वर की ओर हमारी पीठ हो जाया करती है और हम अपने भीतर दौड़कर उसे बाहर सब जगह तलाश करते हैं। इसी खोज में उससे दूर होते चले जाते हैं। शायद हमें यह ख्याल नहीं कि जो चीज हमारे जितना निकट होती है, उसके होने का आभास उतना ही क्षीण होता है। और उसका पता हमें तब चलता है, जब वह चीज हमसे दूर हो जाती है। हमने परमात्मा को स्वयं के भीतर होने का बोध खो दिया है। काश! हमने कभी परमात्मा को खोया होता तो कोई भी उसे खोज कर हमें दे देता, किंतु जब हमने उसे खोया ही नहीं तो उसे हमें कोई दे भी कैसे सकता है। उसकी खोज अंतस चेतना में ही करनी होगी। इस संदर्भ में यह बात भी याद रखें कि परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रबल रचनात्मक शक्ति है, जो अदृश्य है।

संपादकीय

भारत-ब्रिटेन के बीच नए योग का उदय

पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया और उस पर हस्ताक्षर किए। इसे हाल के वर्षों में भारत द्वारा किया गया सबसे व्यापक व्यापार करार माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर पिछले कुछ वर्षों से चर्चा चल रही थी। इस बारे में जनवरी 2022 में औपचारिक वार्ता शुरू हुई थी और ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने उम्मीद जताई थी कि यह समझौता उसी साल दीपावली तक हो जाएगा। मगर तथ्य यह है कि समझौते पर अनौपचारिक चर्चा 2016 में ब्रिटेन में यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के लिए हुए मतदान से पहले से ही चल रही थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि उस दौरान जो कुछ भी बातचीत हुई थी, उसकी रूपरेखा बदल गई थी। 6 या 7 साल पहले स्थिति यह थी कि जब तक किसी भी समझौते में बीजा या प्रवासियों का बझ मुद्दा शामिल न हो, भारत शुल्क कटौती पर चर्चा से इनकार करना चतुराई समझता था। ऐसी मांगों के कारण 10 डाउनिंग स्ट्रीट में डेविड कैमरन की उत्तराधिकारी दरीसा मे के साथ बातचीत में बाधा आई थी। मगर इस दरमियान ब्रिटेन का राजनीतिक माहौल प्रवासन के खिलाफ हो चुका है। समझौते में महज 1,300 अतिरिक्त पेशेवर वीजा का वादा किया गया है। इस संयम की बुद्धिमत्ता तब स्पष्ट हो गई जब बचत योजनाओं में दोहरे योगदान संबंधी एक अहानिकर प्रावधान भी ब्रिटेन में बड़ा विवाद का कारण बन गया जबकि इस समझौते में अन्य कमियां भी हैं। उदाहरण के लिए निवेश पर अभी भी चर्चा होनी बाकी है। हालांकि यह कहना उचित होगा कि यह एक प्रमुख अर्थव्यवस्था के साथ सबसे व्यापक समझौता है और यह व्यापार को लेकर भारत की मानसिकता में महत्त्वपूर्ण बदलाव को प्रतिबिंबित करता है। सवाल यह है कि मानसिकता में इस बदलाव को अब अन्य व्यापारिक भागीदारों, विशेष रूप से यूरोपीय संघ (ईयू) पर कितना और किस तरह लागू किया जा सकता है भारत ईयू मुक्त व्यापार समझौता करने की समय सीमा निर्धारित की गई है और भारत के प्रधानमंत्री और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला बॉन डेर लेखेन ने कहा है कि इसे इस साल के अंत तक संपन्न हो जाना चाहिए। भारत ने ब्रिटेन से जो प्रतिबद्धताएं की हैं और रियायतें दी हैं, उनसे देश में बहुत कम या कोई राजनीतिक चिंता नहीं हुई है। इसलिए बातांकार यूरोपीय संघ के साथ बातचीत में शुल्क में अधिक कटौती का जोखिम उठा सकते हैं। यूरोपीय संघ के साथ वार्ता में इनमें से कुछ की आवश्यकता पड़ सकती है क्योंकि ईयू को अपने आकार और अफसरशाही ढांचे को देखते हुए अन्य की तुलना में अधिक व्यापक चर्चा और समझौते की आवश्यकता होगी। लेकिन इसके फायदे भी उतने ही व्यापक होंगे। ब्रिटेन के उलट यूरोपीय संघ अभी भी प्रमुख विनिर्माण ताकत है और कई वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के केंद्र में है, जिनमें भारतीय उत्पादकों को प्रवेश करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नया अध्याय

बीते लगभग दो वर्षों के दौरान तेज उतार-चढ़ाव के बाद भारत और मालदीव के संबंधों में जो नई गर्मजोशी देखी जा रही है, उसे दोनों देशों के अतीत के मजबूत सहयोग को फिर से नया स्वरूप देने की कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माले यात्रा के दौरान भारत ने मालदीव को 4,850 करोड़ रुपए की ऋण सुविधा देने की घोषणा की और जल्दी ही एक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर भी सहमति बनी। इसके अलावा, दोनों पक्षों ने मत्स्य पालन और कृषि मौसम विज्ञान, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, यूपीआइ, भारतीय 'फार्माकोपिया' और ऋण सुविधा के क्षेत्र में छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहित कई अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए हुई व्यापक वार्ता से यह उम्मीद की जा सकती है कि अब भारत और मालदीव के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरूआत होगी। खासतौर पर भारत ने मालदीव के सामने जिस स्तर का धीरज दिखाया और अब भरोसे की दोस्ती को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है, वह मालदीव के लिए भी सकारात्मक परिस्थितियों का निर्माण करेगा। दरअसल, इस संदर्भ में सहयोग के नए सिरे खुलने की अहमियत इसलिए भी है कि ज्यादा दिन नहीं बीते हैं जब एक बेमानी मुद्दे पर मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के रुख ने दोनों देशों के बीच नाहक ही एक कड़वाहट पैदा कर दी थी। तब मालदीव की ओर से भारत विरोधी कई बयान दिए गए थे और भारतीय सेना की उपस्थिति पर आपत्ति जताई गई थी। स्थिति ऐसी थी कि अगर भारत ने धीरज नहीं दिखाया होता तो तस्वीर दूसरी होती। मालदीव के अप्रत्याशित रुख के बावजूद भारत ने अपनी ओर से उसकी सहायता के दरवाजे बंद नहीं किए। नतीजा यह निकला कि कुछ समय बाद मालदीव को अपने रुख पर फिर से विचार करना पड़ा और आखिर उसकी ओर से संबंध सुधारने की दिशा में पहलकदमी हुई। हालांकि उस समय भी एक तरह से यह साफ था कि मालदीव की ओर से उठाए जाने वाले नाहक सवालों पर चीन का प्रभाव काम कर रहा था। खुद राष्ट्रपति मुइज्जू को चीन समर्थक माना जाता है। संभव है कि उस समय किन्हीं वजहों से मालदीव की सरकार को भविष्य में पैदा होने वाली परिस्थितियों के बारे में आकलन में हड़बड़ी हुई हो मगर अब उसके रुख में बदलाव एक बेहतर भविष्य की राह खोल सकता है। पर्यटन मालदीव की अर्थव्यवस्था का एक सबसे बड़ा आधार है। वहां सबसे ज्यादा भारत और चीन के पर्यटक जाते रहे हैं। मगर विवाद के हालात पैदा होने के बाद भारत की ओर से कई पर्यटकों ने मालदीव न जाने को लेकर अभियान चलाया था। जाहिर है, अगर तनाव का वह रास्ता आगे की ओर बढ़ता, तो मालदीव के सामने नई आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो सकती थीं। चीन के बारे में अब सभी जानते हैं कि वह किसी देश की मदद के संदर्भ में भी सबसे पहले अपना हित ही सुनिश्चित करता है। उसकी नजर में हिंद महासागर में मालदीव शक्ति संतुलन में एक बड़ी भूमिका निभाता है। वहीं, चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत के लिए वहां अपनी रणनीतिक मौजूदगी को कायम रखना बेहद अहम है। हालांकि भारत परस्पर सहयोग और सद्भावना को प्रमुखता देने वाला देश रहा है। यही कारण है कि भारत ने मालदीव को पर्याप्त महत्त्व दिया है और शायद अब मालदीव को इसकी अहमियत समझ में आ रही है।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी लश्कर श्री नेमिनाथ स्वामी
बोरड़ी का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर

एवं

श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ नसियाँ श्योजी गोधा
आमेर रोड़, जयपुर

1008 श्री नेमीनाथ भगवान
मंदिर जी, लश्कर मंदिर

1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान
नसियाँ श्योजी गोधा, आमेर रोड

श्री 1008 श्री नेमिनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक
के शुभ अवसर पर

शोभायात्रा

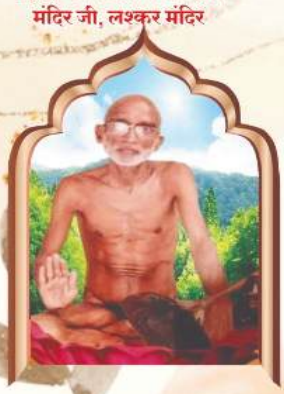

पावन सान्निध्य

षट्रस त्यागी श्रमण मुनि 108 श्री अर्चितसागर जी महाराज ससंघ

एवं

श्री 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महापर्व
पर निर्वाण लाडू

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी लश्कर श्री नेमिनाथ स्वामी
बोरड़ी का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर

बुधवार, 30 जुलाई 2025

भव्य शोभायात्रा

मांगलिक कार्यक्रम

प्रातः 7.00 बजे	शांतिधारा, अभिषेक, श्री नेमिनाथ भगवान की पूजा
प्रातः 8.00 बजे	श्री 1008 नेमिनाथ स्वामी की भव्य शोभायात्रा, मंदिर जी लश्कर, बोरड़ी के रास्ते से प्रस्थान कर मनिहारों का रास्ता, पं. शिवदीन जी का रास्ता, आचार्यों का रास्ता व वापस मंदिरजी लश्कर बोरड़ी के रास्ते में प्रवेश करेगी
प्रातः 9.30 बजे	श्री 1008 नेमिनाथ स्वामी अभिषेक
प्रातः 10.30 बजे	सामूहिक भोजन

नोट : शोभायात्रा में मुनिश्री अर्चित सागर जी महाराज साथ रहेंगे।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ नसियाँ श्योजी गोधा
आमेर रोड़, जयपुर

गुरुवार, 31 जुलाई, 2025

मांगलिक कार्यक्रम

श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान का

मोक्ष सप्तमी निर्वाण लाडू

प्रातः 8.00 बजे

अतः आपसे निवेदन हैं कि उक्त महोत्सव के सभी कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर धर्मलाभ उठावे।

आयोजक

अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	उपमंत्री
भागचन्द साह 'अत्तार'	Er. रमेश साह	जिनेन्द्र कुमार चाँदवाड़	प्रदीप साह	शैलेन्द्र कुमार साह (चीकू)
9214863000	9414241007	7665020206	9829015088	9414238656

कोषाध्यक्ष	उप कोषाध्यक्ष	शास्त्र भण्डार रक्षक	प्रचार-प्रसार मंत्री
डॉ. सुशील कुमार कासलीवाल	युति प्रकाश जैन (पाटनी)	अजय गोधा	संदीप साह
9414461105	9351785234	9314504291	9829050791

सदस्य गण :-

कमल काला	Er. अशोक कुमार जैन	अजय साह	राजेन्द्र कुमार साह	महावीर प्रसाद साह
9829056547	8696934093	9314643738	9414043359	9828020597

विनीत : प्रबंधकारिणी समिति श्री दिगम्बर जैन मंदिर लश्कर तथा नसियाँ श्योजी गोधा, जयपुर

निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, बोरड़ी का रास्ता एवं आमेर रोड़, जयपुर

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) मो. 9829050791

निश्चय संस्थान के रक्तदान शिविर में 247 यूनिट रक्त एकत्रित

जयपुर. शाबाश इंडिया

निश्चय संस्थान के तत्वावधान में 5 वां रक्तदान शिविर ग्रास फील्ड रिसोर्ट में आयोजित हुआ। इस दौरान shivir में लोगों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। शिविर में करीब 247 यूनिट रक्त जुटा। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक गोपाल शर्मा, सम्माननीय अतिथि डॉ.अंकित माथुर, रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के संस्थापक अध्यक्ष रोटेरियन सुधीर जैन गोधा, पवन शर्मा,पवन गोयल,शिव कुमार भारद्वाज,संदीप लुहाड़िया, अरविंद सिंह मौजूद रहे। सभी रक्तदाताओं को एक पेड़ लगाओ जीवन बचाओ अभियान के तहत पोधों का वितरण किया गया। इस दौरान निश्चय संस्थान के अमन अग्रवाल, नितिन गोधा संजय, विवेक, मोहक, अविनाश, ऋषि सिंह, हिमांश, राकेश कृष्णा बिंदल और पूरी टीम ने सभी रक्तदाताओं और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।शिविर में सी के बिरला हॉस्पिटल की और से भी एक मेडिकल कैम्प लगाया गया,साथ ही फिट योग का भी विशेष योगदान रहा।

बढ़ती सामाजिक असमानता

प्रस्तावना: आज के आधुनिक युग में विज्ञान और तकनीकी ने जहाँ जीवन को सरल बनाया है, वहीं समाज में कुछ ऐसी समस्याएँ भी उत्पन्न हो गई हैं, जो हमारे समग्र विकास को बाधित कर रही हैं। ऐसी ही एक प्रमुख सामाजिक समस्या है सामाजिक असमानता। यह असमानता आर्थिक, जातीय, लिंग, और शिक्षा के आधार पर स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है।

मुख्य भाग

1. **आर्थिक असमानता:** अमीर और गरीब के बीच की खाई दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। कुछ लोग अत्यधिक संपत्ति के स्वामी हैं, जबकि एक बड़ा वर्ग दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है। यह असमानता अपराध, अशांति और मानसिक तनाव को जन्म देती है।
2. **जातिगत भेदभाव:** आज भी समाज के कई हिस्सों में जाति के आधार पर भेदभाव किया जाता है। यह न केवल सामाजिक सौहार्द को नष्ट करता है, बल्कि प्रतिभाओं को भी दबा देता है।
3. **लिंग आधारित भेदभाव:** नारी शक्ति के सम्मान की बातें होने के बावजूद महिलाओं को आज भी कई क्षेत्रों में पुरुषों से कमतर आँका जाता है। उन्हें समान अवसर और सम्मान नहीं मिल पाते।
4. **शिक्षा में असमानता:** आज भी ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा का अभाव है। जब तक सभी को समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलेगी, तब तक सामाजिक विकास अधूरा रहेगा।

प्रभाव: समाज में तनाव और असंतुलन बढ़ता है। युवा वर्ग निराश होकर गलत दिशा में जा सकता है। राष्ट्र की समग्र प्रगति अवरुद्ध हो जाती है।

समाधान के उपाय: सरकार को समान अवसरों की गारंटी देने वाली योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए। जाति, धर्म, लिंग से ऊपर उठकर मानवता को प्राथमिकता दी जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में समानता लाई जाए। समाज के प्रत्येक नागरिक को इस असमानता को दूर करने का संकल्प लेना होगा।

उपसंहार: सामाजिक असमानता एक ऐसी समस्या है, जिसे केवल सरकार की नीतियाँ नहीं, बल्कि समाज की जागरूकता और सद्भावना ही दूर कर सकती है। यदि हम सभी एकजुट होकर समानता, भाईचारा और समरसता की भावना को आत्मसात करें, तो एक सुंदर, सशक्त और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण संभव है।

अनिल माथुर
जोधपुर (राजस्थान)

गणाचार्यश्री विरागसागर पुरस्कार सम्मान समारोह सम्पन्न, आचार्यश्री विनिश्चय सागर के सान्निध्य में हुआ आयोजन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। परम पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के प्रथम निर्वाण दिवस के अवसर पर रामगंजमंडी राजस्थान में आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में परम पूज्य गणाचार्य विरागसागर पुरस्कार सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, विशिष्ट अतिथि अखिलेश नगरपालिका अध्यक्ष, प्रहलाद कोट स्टोन एसोशिएशन के अध्यक्ष थे। सभी पुरस्कारो का पुण्यार्जन अखिल भारतीय विनिश्चय ग्रुप के सौजन्य से किया गया। प्रथम पुरस्कार गणाचार्य विरागसागर पुरस्कार राजीव जैन सिर्स झांसी को एक लाख रुपए की नगद राशि, प्रशस्ति पत्र, शाल, पगड़ी, श्री फल, रजत मेडल द्वारा सम्मान किया गया। राजीव जैन ने जो उनको राशि सम्मान में प्रदान की थी उन्होंने उस राशि में इक्यावन हजार रुपए सम्मिलित कर, अखिल भारतीय विनिश्चय ग्रुप को एक लाख इक्यावन हजार रुपए प्रदान किए । आपने सन 2017 में करगुवां झांसी में हुए युग प्रतिक्रमण में कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर कार्य किया था और जैन धर्म की प्रभावना में अनेक कार्य कर चुके हैं। द्वितीय पुरस्कार विमलकीर्ति विद्वत पुरस्कार डा पंकज जैन, ललितपुर को इक्कीस हजार रुपए की नगद राशि, प्रशस्ति पत्र, शाल, पगड़ी, श्री फल, रजत मेडल द्वारा सम्मान किया गया। जैन धर्म दर्शन के क्षेत्र में लेखन, संपादन एवं जैन धर्म की प्रभावना हेतु प्रदान किया गया। तृतीय पुरस्कार विमलकीर्ति पत्रकारिता पुरस्कार इंजी. आनंद जैन, भोपाल को इक्कीस हजार रुपए की नगद राशि, प्रशस्ति पत्र, शाल, पगड़ी, श्री फल, रजत मेडल द्वारा सम्मान किया गया ।इंजी. आनंद जैन ने लगभग लगातार 20 वर्षों से विराग वाणी पत्रिका के प्रकाशन करने पर प्रदान किया गया है। चतुर्थ पुरस्कार विमलकीर्ति शोधानुसंधान पुरस्कार डा लक्ष्मी जैन उदयपुर को इक्कीस हजार रुपए की नगद राशि, प्रशस्ति पत्र, शाल, पगड़ी, श्री फल, रजत मेडल द्वारा सम्मान किया गया। इन्होंने प्रो डा उदयचंद जैन उदयपुर द्वारा प्राकृत भाषा में लिखित विराग सेतु ग्रंथ पर पीएचडी उपाधि प्रदान करे के उपलक्ष्य में प्रदान किया गया । पंचम पुरस्कार विमलकीर्ति त्यागी सेवा पुरस्कार डा सलिल जैन, भोपाल को इक्कीस हजार रुपए की नगद राशि, प्रशस्ति पत्र,

शाल, पगड़ी, श्री फल, रजत मेडल द्वारा सम्मान किया गया। छठवां पुरस्कार विमलकीर्ति समाजसेवा पुरस्कार मयंक झांसी को इक्कीस हजार रुपए की नगद राशि, प्रशस्ति पत्र, शाल, पगड़ी, श्री फल, रजत मेडल द्वारा सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में विराग विजन अवॉर्ड के पुरस्कार प्रदान किए गए, साथ में विजेताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन पुरस्कार संयोजक डा आशीष कुमार जैन बम्होरी असिस्टेंट प्रोफेसर एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह ने किया। अन्त में आचार्य श्री का प्रवचन हुआ, आचार्य श्री ने समाज को मार्गदर्शन प्रदान किया। आयोजक श्री सकल दिगम्बर जैन समाज एवं व्यवस्थापक समिति रामगंजमंडी सभी अतिथि सत्कार किया गया।

ह्यूमन राइट्स की महिला पदाधिकारियों ने मनाया तीज महोत्सव

हैरिटेज मेयर कुसुम यादव संग रंग-बिरंगी पौशाक में दिखी महिलाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया। ह्यूमन राइट्स राजस्थान स्टेट की महिला पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने रविवार को यहां तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया। संगठन की स्टेट प्रेसिडेंट डॉ. अपर्णा शर्मा ने अपनी टीम के साथ रंग-बिरंगी पोशाक में सज-धज कर इस उत्सव का आनंद लिया। वहीं जयपुर नगर निगम हैरिटेज मेयर कुसुम यादव एवं पार्षद पूनम शर्मा भी इनके बीच पहुंचीं और संस्कृति तीज महोत्सव को परंपरागत रूप से मनाया। इस दौरान सीमा, शगुन, ज्योति, आशा, विधु, सपना, लक्ष्मी आदि ने मेयर कुसुम यादव व डॉ. अपर्णा शर्मा का स्वागत-सत्कार किया। वहीं ह्यूमन राइट्स के स्टेट पदाधिकारी डॉ. ओपी टांक ने तीज महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी आगंतुक महिला पदाधिकारियों एवं मेयर कुसुम यादव का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कलाकुंज जैन मंदिर में आयोजित हो रहा है श्री शांतिनाथ महामंडल विधान

भक्त संपन्न कर रहे हैं विधान की क्रियाएं

आगरा। कलाकुंज मंदिर समिति के अंतर्गत एवं वर्धमान युवा मंडल के तत्वावधान में इन दिनों मारूति स्टेट स्थित कलाकुंज के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में सोलह दिवसीय शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पंडित अंकित-जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में विधान के चौथे दिन 28 जुलाई को भक्तजनों ने अष्ट द्रव्यों के साथ प्रभु शांतिनाथ की आराधना करते हुए माण्डले पर अर्घ्य अर्पित कर शांतिनाथ विधान की मांगलिक क्रियाएं पूर्ण कीं। विधान में उपस्थित सभी भक्तों ने संगीत की धुनों पर नृत्यकर प्रभु की भक्ति का आनंद लिया। इसके साथ ही राहुल जैन मंत्री युवा मंडल ने बताया कि वर्धमान युवा मंडल के रिक्त पदों का गठन किया गया जिसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष संयम जैन भगत एवं नव निर्वाचित उपाध्यक्ष कपिल जैन एवं नव निर्वाचित शुभम जैन कासलीवाल को उपमंत्री एवं मीडिया प्रभारी निर्विरोध बनाया गयोविधान के दौरान पूरा मंदिर परिसर प्रभु शांतिनाथ के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर रविंद्र कुमार जैन,राजीव जैन,आदित्य भगत,संयम जैन,राहुल जैन,कपिल जैन,दिव्यांशु जैन,मुकेश जैन भगत,मीडिया प्रभारी शुभम जैन समस्त कलाकुंज जैन समाज एवं वर्धमान युवा मंडल के सदस्य मौजूद रहे। **-रिपोर्ट शुभम-जैन**

राजवंश सीनियर सेकंडरी स्कूल के छात्रों को निशुल्क स्कूल ड्रेस वितरित की गई

दिगम्बर जैन सोशल ग्रूप फेडरेशन के स्थापना दिवस के अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के द्वारा सभी ग्रुपों के सहयोग से 14 जुलाई से 30 जुलाई तक मानव सेवार्थ पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है । दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर जयपुर द्वारा मानव सेवार्थ पखवाड़े के अंतर्गत राजवंश सीनियर सेकंडरी स्कूल के छात्रों को निशुल्क स्कूल ड्रेस वितरित की गई । ग्रुप अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या ने बताया कि राजवंश स्कूल के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में जैन होस्टल के 26 जैन छात्र जो राजवंश स्कूल

में अध्ययन कर रहे हैं को स्कूल ड्रेस वितरित की गई। इस कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि राजवंश स्कूल की निदेशिका श्रीमती सीता चौहान ने सामाजिक सरोकार से जुड़े इस कार्यक्रम की सराहना की तथा भविष्य में समाज सेवा से जुड़े कार्यक्रम हेतु स्कूल प्रांगण उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या, विनोद बड़जात्या, सचिव महावीर पांड्या, कोषाध्यक्ष निर्मल कुमार जैन, सहसचिव राजेन्द्र छाबड़ा, एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम संरचना एवं क्रियान्वयन विद्यालय प्राचार्य एवं सम्यक ग्रुप सचिव नवल जैन द्वारा की गई। कार्यक्रम समन्वयन एवं मंच संचालन सम्यक ग्रुप अध्यक्ष डॉ इन्द्र कुमार जैन द्वारा किया गया। सम्यक ग्रुप सदस्य पंकज जैन व गुलाबी नगर ग्रुप के उपस्थित सभी दम्पत्ति सदस्यों ने छात्रों को ड्रेस वितरित की। अंत मे ग्रुप सचिव महावीर पांड्या द्वारा विद्यालय निदेशिका सीता चौहान, सचिव अनिमेष चौहान, प्राचार्य नवल जैन विद्यालय स्टाफ सभी छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

जिन्दगी तस्वीर भी है और तकदीर भी..फर्क तो रंगो का है.. !मनचाहे रंगो से बने तो तस्वीर है..और अनचाहे रंगो से बने तो तकदीर है..! स्वयं का मूल्य समझना और स्वयं को अपने संकल्प और समर्पण के प्रति इमानदार बनना ही मानवीय जीवन का सार है। अक्सर हमारे दैनिक जीवन में किसी चीज को जल्दी पाना और कम समय में अच्छा परिणाम पाना हमारी आदत सी बन गई है। यदि काम सफल हो गया तो गुरू और प्रभु सच्चे हैं, अन्यथा ?? यदि आप बसन्त ऋतु में बीज ना डालें और पौधा लगाना भूल जायें या गर्मियों में आलस्य करें और शरद ऋतु में फसल उगाने की सोचें? यह ऐसी समस्या है जिसका कोई समाधान नहीं है। यदि हमें फसल उगाना है, तो प्रकृति के नियमों का पालन और समय का इन्तजार तो करना ही पड़ेगा। इसी प्रकार *मानव जीवन में कुछ नियम, कुछ संकल्प और कुछ पाने के लिए समय, समर्पण, सहनशील बनना ही पड़ेगा। मानवीय जीवन के कर्तव्यों का बखूबी से निर्वाहन करें, आपसी रिश्तों को निस्वार्थ भाव से निभायें, अपने स्वाभिमान को बरकरार रखें, अपनी बुरी आदतों का हवन करें, नित्य एक सद्गुण का बीजा रोपण करें, स्वयं अनुशासन का पालन करें, वाणी के अपलाप से बचें, संकल्पों के प्रति निष्ठावान बनें, आत्म विश्वास को वर्धमान करें, दूसरों की भावनाओं और आस्थाओं के साथ खिलवाड़ नहीं करें, धर्म, सेवा, परोपकार, दान के प्रति उदार बनें, दूसरों से अपनी तुलना ना करें,, यही हमारे मानवीय जीवन के कर्तव्यों की प्रति सच्ची निष्ठा और आत्मविश्वास की परीक्षा होगी। स्वयं का मूल्य समझना और स्वयं के संकल्पों के प्रति अटल रहना ही मानव जीवन का सार है...!!! अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में विविध धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री कहा।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जैन मिलन सेंट्रल ने पौधारोपण किया

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

जैन मिलन सेंट्रल द्वारा रविवार को एक फार्म हाउस पर पौधारोपण कार्यक्रम सह पिकनिक का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में वीर बंधुओ की उपस्थिति और सहभागिता से हर्ष और उल्लास के साथ पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ । सचिन एवं सुयोग जैन भूसा ने आगंतुक सभी साथियों का पुष्प क्षेपण कर और तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। बारिश की फुहार के साथ उनके सौजन्य से भुट्टों का आनंद लिया, फिर पौधारोपण कार्यक्रम उपरांत स्वल्पाहार और चाय की चुस्कियों का आनंद भी सभी ने खूब उठाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री महेंद्र कड़ेसरा एवं आनंद गांधी, प्रमोद जैन छाया, शाखा अध्यक्ष सचिन जैन बारी, मंत्री सचिन जैन सराफ, कोषाध्यक्ष मनोज जैन बहादुरपुर और अनेक वीर बंधु उपस्थित रहे।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन ने मनाया अपना 35वां स्थापना दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन ने अपना 35 वां स्थापना दिवस मनाया। 35 वें स्थापना दिवस पर प्राणी सेवा कार्य के अन्तर्गत प्रातः ग्रुप के अध्यक्ष धनु कुमार जैन के सानिध्य एवं निर्देशन में ग्रुप के वरिष्ठ महिला व पुरुष सदस्यों ने दुगार्पुरा स्थित गौशाला में गायों को हरा चारा , गुड, बांट खिलाकर पुण्यार्जन किया। सांयकाल दिगम्बर जैन नसियां भट्टारक जी में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन की श्रीमती शांता जैन के संयोजन में भक्ति संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सांय 7.30 पर पंच परमेष्ठि की सामूहिक रूप से आरती की गई। आरती के बाद में भक्ति संगीत के पूर्व ग्रुप के मंत्री हीरा चन्द बैद ने सभी आगन्तुक महानुभावों का स्वागत किया। बैद ने बताया कि जुलाई, 1994, में राजस्थान में पहले दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के नाम से स्व.महेन्द्र कुमार जी पाटनी ने की थी जो देश में 14वें नम्बर का ग्रुप था। जयपुर ही नहीं समस्त राजस्थान में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के प्रथम सदस्य के रूप में शपथ लेने का गौरव भी स्व. महेंद्र कुमार जी पाटनी को ही था। इस अवसर उपस्थित ग्रुप के पूर्व पदाधिकारी डा. राजेन्द्र कुमार जैन, डा. णमोकार जैन, राजेश जैन बडजात्या का सम्मान किया गया। ग्रुप के सदस्यों द्वारा वर्तमान अध्यक्ष धनु कुमार जैन, मंत्री हीरा चन्द बैद एवं कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार जैन का सम्मान किया गया। दिवंगत पदाधिकारियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके द्वारा किए कार्यों की सराहना करते हुए नमन किया गया। राजकुमार संघी ने मानव क्यों करता अभिमान, श्रीमती रूपा जैन ने क्षमा करना क्षमा करना क्षमा भावों से कर देना, प्रदीप कुमार जैन ने मैली चादर ओढ़ के कैसे द्वार तुम्हारे आऊं, श्रीमती शशि जैन ने औ गुरू सा थारो चैलो बनूं मैं, श्रीमती शांता जैन व श्रीमती त्रिशला जैन ने पारस प्यारा लागो, जिनेश्वर प्यारा लागो गाया इस भजन पर राजेश बडजात्या, हीरा चन्द बैद एवं शशी जैन ने बहुत ही भावपूर्ण नृत्य कर समां बांध दिया। की बोर्ड पर डा. अजित कुमार जैन, हारमोनियम पर राजकुमार संघी एवं तबले पर छोटू भाई शर्मा थे ।अन्त में अध्यक्ष धनु कुमार जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

मुनि विशाल सागर जी महाराज को आचार्य ससंघ ने दी विनयांजलि

प्रदेश भर से लोगों ने प्रकट की विनयांजलि

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नसिया में चल रहे चातुर्मास महोत्सव के दौरान रविवार को मुनि विशाल सागर जी महाराज की उत्कृष्ट एवं क्षमता पूर्वक समाधि मरण के उपरांत प्रदेश भर के लोगों ने विनयांजलि प्रकट की है इस मौके पर सोमवार को प्रातः काल 8:00 बजे आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज, मुनि हितेंद्र सागर जी महाराज, मुनि चिंतन सागर महाराज, मुनि मुमुक्ष सागर महाराज, मुनि प्रणीत सागर महाराज, मुनि प्रभव सागर महाराज, आर्यिका विचक्षण मति माताजी, आर्यिका देवधि मति माताजी, आर्यिका दर्शना मति माताजी, आर्यिका पद्मयशी माताजी, आर्यिका दिव्ययशमति माताजी, आर्यिका महायशमति माताजी, आर्यिका देशनामति माताजी, आर्यिका

निर्मोहमति माताजी, आर्यिका पूर्णिमा मति माताजी, आर्यिका वात्सल्य मति माताजी, आर्यिका विलोक मति माताजी, आर्यिका शुभमति माताजी, आर्यिका चैत्यमति माताजी ने अपनी अपनी बारी से अलग-अलग शब्दों में विनयांजलि प्रकट की। इस मौके पर गृहस्थ अवस्था के बेटे अंकेश जैन जोबनेर, सुमन जैन जोबनेर, मीनाक्षी जैन निवाई, कमल सर्राफ, विनोद सर्राफ, सुरेंद्र अजमेरा, आदि लोगों ने विनयांजलि प्रकट किए। जैन धर्म प्रचारक पवन कंटान व विकास जागीरदार अनुसार धर्म सभा से पूर्व श्रीजी एवं आचार्य शांतिसागर, आचार्य वीर सागर, आचार्य शिव सागर, आचार्य धर्म सागर, आचार्य अजीत सागर महाराज के चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर अर्घ्य समर्पित किया गया। तत्पश्चात आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट की गई। इस मौके पर भागचंद फूलेता, धर्मचंद दाखिया, रमेश काला, नीटू छामुनिया, ओम ककोड़, राजेश शिवाड़िया, अंकुर पाटनी, धर्मेंद्र पासरोटियां, सोनू पासरोटियां, सुनील सर्राफ, विकास अतार, मनीष अतार, आशु दाखिया, पुनीत जागीरदार कुंदन आडरा, ज्ञान संघी, राजेश सर्राफ, जयदीप बड़जात्या तनिष्क भरनी, दिव्यांश कल्ली आदि मौजूद रहे ।

समझ जाओ मन की चाल,मन ही करता हमारे लिए स्वर्ग ओर नरक का निर्माण : महाप्रज्ञाजी म.सा.

महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. के सानिध्य में दिवाकर कमला दरबार में चातुर्मासिक प्रवचन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जीवन निर्माण का मूल आधार हमारा मन होता है। मन विचार करने का यंत्र है। सुख दुःख मन का खेल है। मन संजीव भी है ओर निर्जीव भी है। मन बाग है ओर हम माली है। मन में सद्विचारों के बीज बोओगे तो जीवन का बगीचा गुले गुलजार हो जाएगा ओर कुविचारों के बीज बो दिए तो बगीचा बंजर हो जाएगा। ये विचार अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. के सानिध्य में आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दिवाकर कमला दरबार में सोमवार को धर्मसभा में स्वर साम्राज्ञी महासाध्वी महाप्रज्ञाजी म.सा.ने मन की शक्ति पर चर्चा करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मानव का मन बहुत शक्तिशाली है। टीवी का चैनल पकड़ने का रिमोट तो हमारे पास है लेकिन मन को नियंत्रित करने का रिमोट हमारे पास नहीं है। हमारी हर गतिविधि मन ही संचालित करता है। साध्वी महाप्रज्ञाजी ने कहा कि हमारे लिए स्वर्ग ओर नरक का निर्माण भी मन ही करता है। हमारा मन विचारों का संग्रहालय होता है। मन चंगा तो कठौती में गंगा, मन साफ हो तो सौ गुनाह माफ हो सकते है। सुनना सबकी पर करना मन की चाहिए। मन की गति को माप नहीं सकते इसलिए मन की चाल को समझना जरूरी है। मन ही हमारी गति तय करता है ओर मनुष्य जीवन में मन के द्वारा सिद्ध गति भी प्राप्त हो सकती है। धर्मसभा में महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने बताया कि मंगलवार को नाग पंचमी होने से धर्मसभा में 22वें तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का जन्म कल्याणक मनाया जाएगा। धर्मसभा में वास्तुशिल्पी पद्मकीर्तिजी म.सा. ने सुखविपाक सूत्र का वाचन करते हुए कहा कि जीवन में श्वास ओर विश्वास महत्वपूर्ण है यह कभी छूटने नहीं चाहिए। देव,गुरू,धर्म ओर परिवार के प्रति हमारा विश्वास सदा रहना चाहिए। जीवन में शांति,विश्वास ओर प्रेम का दीपक तो बुझ सकता है पर उम्मीद का दीपक सदा जलते रहना चाहिए। उम्मीद का चिराग जलता रहेगा तो शांति,विश्वास ओर प्रेम का दीपक फिर प्रज्वलित हो सकता। जिनके जीवन में ये चारों दीपक जलते रहेंगे वह सदा सुखी ओर प्रसन्न रहेगा। धर्मसभा में विद्याभिलाषी साध्वी राजकीर्तिजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा में हितांशी खटोड़ ने चार उपवास के प्रत्याख्यान लिए। कई श्रावक-श्राविकाओं ने बेला,उपवास,आयम्बिल,एकासन आदि तप के प्रत्याख्यान भी लिए। धर्मसभा में मुंबई से पधारे डॉ. प्रमोद जैन,सुनील लोढ़ा, राजकुमार जैन आदि अतिथियों का स्वागत आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति एवं सुभाषनगर श्रीसंघ के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। चातुर्मास के तहत रविवार दोपहर सुभाषनगर स्थानक में बच्चों के लिए धार्मिक संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। विद्याभिलाषी साध्वी राजकीर्तिजी म.सा. के सानिध्य में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में बच्चें शामिल हुए और जैन धर्म ओर संस्कारों से जुड़ा ज्ञान प्राप्त किया। चातुर्मास समिति महिला मण्डल की अध्यक्ष निर्मला भड़कत्या ने बताया कि शिविर में साध्वीश्री ने बच्चों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। शिविर के लाभार्थी पुष्पा राजेन्द्र गोखरू परिवार रहा।

जिसने जीवन में थोड़ा भी उपकार किया उसको कभी दुखी मत करना: मुनि पुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज

निर्वाण कल्याणक महोत्सव के लिए कमेटी ने किए श्री फल भेंट

पार्श्वनाथ निर्वाण उत्सव पर होगी सम्मैद शिखर जी रचना : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जिसने जीवन में थोड़ा भी उपकार किया उसको कभी दुखी मत करना जिस मां बाप ने तुम्हारे लिए सुखी की भावना भाई थी वहीं भक्त भगवान के द्वार पर रोते-बिलखते पहुंच जाता है नहीं भगवान के द्वार पर हमेशा हंसते हुए सुखी हो कर जाना चाहे भले जीवन में दुःख हो यदि दुःख होगा भी तो वह सुख में बदल जायेगा सुख नहीं दुःख के दिनों में तुम गार्डन में घूमने चले जाओगे तो वहां भी तुम भगवान का नाम लोगे । हर व्यक्ति सुख के दिनो मे पापी बनता है दुःख के दिनों में कोई पापी नहीं बनता वो कर्म का मारा है भगवान का ही नाम लेगा दो व्यक्ति सड़क पर जा रहे हैं एक सिर पर वजन लेकर,दूसरा खाली हाथ जा रहा है तो आप किसकी मदद् करेंगे जो भारी है उसी की जो पापी है उसे ही सहायता की जरूरत है। घबराया मत करो क्योंकि हर भावना तो भगवान की भी पूरी नहीं हो रही भगवान मैं तेरी भावना को सत्य करके दिखाऊंगा क्यों कि मैं तेरा भक्त हूं । जो भगवान के भक्त होते हैं वे भगवान की बात मानकर काम करते हैं हम मन्दिर में सुखी हों कर ही जायेगा भले दुःख हो तो एक दिन आप सुखी हो जाओगे क्योंकि आप ने भगवान की भावना पूरी की है उक्त आश्य के उद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ स्वामी का निर्वाण कल्याणक महोत्सव परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भइया शुयश के कुशल मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यक्रम के साथ आयोजित किया जायेगा । प्रातः काल की बेला में जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा पछाड़ी खेड़ा रोड़ स्थित पार्श्वनाथ मन्दिर में भगवान पार्श्वनाथ स्वामी पर जगत कल्याण की कामना करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज के श्री मुख से होगी। वहीं मुख्य समारोह सुभाष गंज मैदान में तीर्थराज सम्मेद शिखर की रचना कर प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया के मंत्रोच्चार के बीच भगवान की महा आराधना इसके बाद निर्वाण कांड के साथ ही निर्वाण कल्याणक पर लाडू समर्पित किया जायेगा। इस दिन मुकुट सप्तमी का व्रत उपवास पूर्वक रखने वाले सभी बेटियों को अग्रिम पंक्ति में विशेष पूजन का सौभाग्य प्राप्त होगा । इस हेतु प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया के मार्गदर्शन में जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई विनोद मोदी विपिन सिंघई ने मुनिश्री को श्री फल भेंट किए एवं समारोह के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्री नागेश्वर पंच पार्श्वनाथ सप्त तीर्थ मंदिर की प्रतिष्ठा 11 नवम्बर 2025 को होगी

आचार्यश्री ने प्रतिष्ठा का मुहूर्त प्रदान किया, लगभग 100 से ज्यादा साधु संत करेंगे निश्रा प्रदान

इंदौर मध्यप्रदेश. शाबाश इंडिया। जन-जन की आस्था के केंद्र दादा श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के नव निर्मित पंच पार्श्वनाथ जिनालाय की प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त लेने श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक नवकार श्री संघ ट्रस्ट नरीमन सिटी, इंदौर पर रविवार 27 जुलाई को तिलक नगर पहुंचकर श्री तिलेश्वर जैन उपाश्रय तिलक नगर इंदौर पर धर्म तिलक चातुर्मास मे विराजित उपकारी पूज्य आचार्य गुरूदेव श्री नयचन्द्रसागरसूरिजी म.सा. आदि ठाणा एवं पुज्य साध्वी भगवंत श्री हेमप्रज्ञा श्री जी म. सा. आदि ठाणा से प्रतिष्ठा का मुहूर्त प्रदान करने की विनती की मीडिया प्रभारी दिनेश सालेचा ने बताया कि तत्पश्चात आचार्यश्री ने धर्मसभा मे उपस्थिति श्रद्धालूओ के समक्ष दिनांक 11 नम्बर 2025 मंगलवार विक्रम संवत 2082 तिथि मगसर विदी सप्तमी का मुहर्त प्रदान किया एवं वाचन भी किया जेसे गुरुदेव ने मुहूर्त प्रदान किया वैसे ही नरिमन जैन श्री संघ मे हर्ष उल्लास छा गया और नारों से हाल गुंजायमान हो गया ' इस अवसर पर नरिमन मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी निलेश पोरवाल, आर. सी. जैन, निलेश पावेचा, विजय जैन गोटेवाला, प्रवीण गुरूजी, संदीप पोरवाल के साथ ही नरिमन नवकार श्री संघ से सिसोदियाजी, अजय अम्बोर, संदीप जैन, पिंकेश जैन, सौरभ कटारिया, ऋषभ शाह, संदीप नानावटी, प्रदीप जैन, प्रिंस सकलेचा, अंकित सिसोदिया, विकास जैन, अमित मेहता आदि उपस्थिति थे। इंदौर मे सात तीर्थं का एक भव्य जैन श्वेताम्बर तीर्थ यह भव्य जिनालाय सुपर करिडोर इन्फॉसिस, टी सी एस, यश टेकलोनोलाजी के नजदीक एम.आर. 5 पर नरिमन सिटी मे निर्माण हुआ हे जहाँ पर मुलनायक श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ की 11 फीट ऊँची हूबहू नागेश्वर तीर्थ जैसी खड़ी प्रतिमा के साथ श्री जीरावला पार्श्वनाथ, श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ, श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ,श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ हे और सोने पे सुहागा भगवान महावीर की जन्म स्थली लछवाड जैसे महावीर मंडण , गिरनारतीर्थ जेसे नेमिनाथ मंडण, नवग्रहपूजीत परमाता आदि जिन बिम्ब,45 आगममय आगम पुरुष युक्त मंदिर, गुरु मंदिर,देवी देवताओं आदि बिम्बो की मंगलकारी प्रतिमा विराजित है। पूर्व मे पंचदिवसीय अंजनशलाका महोत्सव सम्पन्न हो चूका है ।हर पूनम पर होता है भव्य आयोजन नवनिर्मित जिनालय मे प्रतिदिन पूजन शुरू है एवं प्रति पुनम को अभिषेक पूजन, भाता वितरण एवं रात्रि मे भक्ति का आयोजन किया जा रहा है मीडिया को जानकारी प्रदीप जैन ने दी।

मुनी श्री अर्चित सागर जी के चातुर्मास कलश की स्थापना पारस भवन में हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य पट्टाचार्य भगवन्त आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज की अक्षुण्ण परम्परा में पारस भवन नाटानियों का रास्ता में पूज्य मुनि श्री 108 अर्चित सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में ध्वजारोहण कर पुण्यार्जक परिवार संजय संदीप काला ने कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। पारस भवन में छोटी-छोटी बालिकाओं के द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया । उक्त जानकारी देते हुए अशोक खण्डाका सतीश खण्डाका ने बताया कि पूज्य गुरुदेव के पावन सानिध्य में सभी आचार्यों के चित्रों के सम्मुख दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य पारस रूबी बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ। पश्चात पूज्य मुनिराज के पाद प्रक्षालन हुए और मुनिराज को शास्त्र भेंट किया गया। मोदी खाना

चौकड़ी की महिला मण्डल की महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। प्रचार प्रभारी रमेश गंगवाल ने बताया पूज्य मुनि श्री, ससंघ के इस चातुर्मास में बिना किसी आडंबर बिना बोली के चातुर्मास कलश की स्थापना सादगी से संपन्न हुई। जयपुर के इतिहास में प्रथम अवसर था जब मुस्लिम समुदाय ने सामूहिक रूप से उपस्थित होकर पूज्य गुरुदेव के श्री चरणों में श्रीफल अर्पण किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के अशोक खण्डाका ने जानकारी देते हुए बताया चातुर्मास कलश की स्थापना में अनिल जैन दीवान ,अशोक चांदवाड, पार्षद संजय जयसवाल, अरविंद मेठी, बाबूलाल शर्मा, कुन्दन मल सेठी ,मोना पाटनी ,कमला देवी, देव प्रकाश खंडाका ओमप्रकाश काला राजेश गंगवाल सहित अनेक श्रेष्ठी समाज बंधु एवं मुस्लिम समाज के अनेक महानुभाव उपस्थित रहे। रितु सोगानी ने बताया चातुर्मास कलश स्थापना की मांगलिक अनुष्ठानिक क्रियाएं डॉ सनत कुमार जैन एवं डॉ विमल कुमार जैन प्रतिष्ठाचार्य ने संपन्न कराई, तथा मंच संचालन पंडित रमेश गंगवाल ने किया। गुरुदेव ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा जैन साधु, साध्वीयां पांच महाव्रत, अहिंसा ,सत्य, आचोर्य, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य का मन वचन कार्य से निर्दोष रूप से पालन करते हैं, तथा अहिंसा महाव्रत का पूर्ण रूपेण पालन हो इसीलिए जैन साधु मुनिराज चातुर्मास करते हैं। -रमेश गंगवाल

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, चंबल रीजन का शपथ ग्रहण समारोह प्रेरणादायक माहौल में सम्पन्न

अंबाह इकाई को प्राप्त हुआ विशिष्ट सम्मान, अशोक जैन ने किया ध्वजारोहण

अजय जैन. शाबाश इंडिया

ग्वालियर। ग्वालियर के रेशमतारा परिसर में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, चंबल रीजन का शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत भव्य, गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन न केवल संगठन की दृढ़ता और सेवा भावना का परिचायक बना, बल्कि पूरे क्षेत्र में नई ऊर्जा एवं प्रतिबद्धता का संचार करने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर भी साबित हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत, मंगलाचरण, राष्ट्रगान और ध्वजारोहण से हुई। इस मौके पर ध्वजारोहण करने का सम्मान अंबाह के वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक जैन को दिया गया, जिन्होंने संगठन का ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच पर अन्य गणमान्य अतिथि और पदाधिकारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने समारोह को गरिमामय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर एडवोकेट अशोक जैन एवं श्रीमती सरस जैन सहित अंबाह इकाई को विशेष रूप से ध्वजारोहण के लिए सम्मानित किया गया, जो उनके निरंतर सक्रिय योगदान, अनुशासन और समर्पित सेवा का प्रतीक था। आयोजकों ने कहा ''अंबाह इकाई की सक्रियता, टीम वर्क और सेवा के प्रति उनका समर्पण पूरे चंबल रीजन के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।'' इसके बाद, नवनियुक्त कार्यकारिणी के सदस्यों को विधिवत शपथ दिलाई गई। सभी पदाधिकारियों ने संगठन के आदर्शों, मयार्दा, सेवा भाव और सामाजिक दायित्वों को पूरा करने का वचन देते हुए संगठन को नई दिशा देने का संकल्प लिया। यह क्षण अत्यंत भावुकता से परिपूर्ण था, जिसमें सेवा और समर्पण की भावना से पूरे हॉल में उत्साह की लहर दौड़ गई। समारोह की एक बड़ी खासियत यह रही कि इस बार अंबाह इकाई से बड़ी संख्या में पदाधिकारी चंबल रीजन की कार्यकारिणी में शामिल हुए है जिनमें प्रमुख रूप से एडवोकेट अशोक जैन,सुशील जैन, ओपी जैन,विकास जैन पाडे,विमल भंडारी, अजय जैन बबलू साथ ही महिला प्रतिनिधि के रूप में भी अंबाह इकाई ने अपना सशक्त प्रदर्शन किया, जिसमें श्रीमती रजनी जैन एवं श्रीमती रीता जैन सहित सभी सात पदाधिकारियों ने शपथ लेकर संगठन में अपना योगदान सुनिश्चित किया। अंबाह इकाई के अध्यक्ष अमित जैन टकसारी, महामंत्री कुलदीप जैन, एवं अन्य सक्रिय सदस्यों शामिल संतोष जैन, पवन जैन (छोटू), आकाश जैन और बल्लू जैन ने भी इस समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह के दौरान संगठन की अब तक की उपलब्धियों का संक्षिप्त चित्र प्रस्तुत किया गया और आने वाले समय की योजनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। अम्बाह के अध्यक्ष अमित जैन टकसारी ने बताया कि, ''यह आयोजन सिर्फ एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह नवनियुक्त कार्यकारिणी का संगठन के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह अनुभवों और नई ऊर्जा का संगम है जो संगठन को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा।'' कार्यक्रम के अंतिम चरण में सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा, सहयोग, और संगठनात्मक एकता को बनाए रखने का संकल्प लिया। कुलदीप जैन, सुशील जैन ने बताया कि यह आयोजन इस बात का उदाहरण है कि जब नेतृत्व मजबूत और सदस्य जागरूक हों, तब कोई भी संगठन अपने क्षेत्र में समाजसेवा का एक प्रभावशाली केंद्र बन सकता है। यह दिन न केवल दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, चंबल रीजन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, बल्कि अंबाह इकाई के लिए भी एक गौरवशाली अध्याय के रूप में सदैव याद रखा जाएगा। इस समारोह ने संगठन को आगामी दिनों में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में और भी प्रभावी कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की है। वही चंबल रीजन के इस शपथ ग्रहण समारोह में इंदौर से मनोहर जी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, फेडरेशन), कमलेश कासलीवाल (पूर्व अध्यक्ष एवं शपथ विधि अधिकारी, फेडरेशन) एवं दिलीप मेहता (रीजन सह प्रभारी, फेडरेशन) प्रमुख रूप से मौजूद थे जिनका चंबल डिवीजन के पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया

एक शाम शांति गुरु के नाम विशाल भक्ति संध्या आयोजित

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोधपुर। मंडोली के योगिराज श्री गुरुदेव विजय शांति सूरीश्वर गुरुदेव की भव्य भक्ति संध्या का आयोजन किया गया जिसमें श्री विजय शांति सूरीश्वर भक्त मंडल, जोधपुर द्वारा रविवार को माहेश्वरी भवन में विशाल रूप से जोधपुर के गुरु भक्तों की मौजूदगी में श्रद्धा पूर्वक सफल सम्पन्न हुआ ।श्री गुरुदेव को समर्पित श्रद्धालुओं द्वारा जय गुरुदेव का जयकारे के साथ मंगल आरती प्रारंभ करके मंडल के गजेन्द्र नाहर तथा वीरेंद्र जैन द्वारा गुरु चालीसा पाठ के बाद छत्तीसगढ़ से आए सुप्रसिद्ध गायक परम-गुरुभक्त भावेश बैद तथा सजल बैद द्वारा 8 बजे से भजन संध्या रात्रि 1 बजे तक लगातार चली श्रद्धालु भजनों से भाव विभोर होकर नाचने झूमने लगे । गुरुभक्त राजू मांडोत द्वारा गुरु दरबार को भव्य रूप से सजायाभक्त मंडल सचिव गजेन्द्र नाहर ने बताया कि इसी तरह से प्रतिमाह स्थानीय जलजोग मंदिर पर पूजा भक्ति कार्यक्रम होता है ।समस्त भक्त मंडल सदस्यों ने प्रतिवर्ष एसी भक्ति आयोजन का सद गुरुदेव की जयकारे से सहमति व्यक्त की । भक्त मंडल अध्यक्ष पुरूषोतम सिंघवी, सुरेश सांखला, महावीर भंडारी आदि ने भक्ति संध्या कार्यक्रम को सफल बनाया ।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा सघन वृक्षारोपण अभियान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा, प्रान्तपाल 3233-1 द्वारा प्रदत्त निर्देशानुसार **MISSION TREES,** 1,00,000 के तहत कृष्ण वाटिका, श्याम नगर, जयपुर में 100 पौधे, जामुन, आमला, करंजी,नीम,हरसिंगार, पपीता, अमरूद के अलावा, अन्य कई पौधे, माली से गड्ढे खुदवाकर रोपित करवाये गए व वहीं के माली को उनकी देख रेख का जिम्मा दिया गया। उक्त कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष लॉयन सुजाता स्वर्णकार, सचिव लॉयन नीलम मित्तल, कोषाध्यक्ष लॉयन मृदुला जैन व पुर्व सचिव लॉयन राधा रानी मित्तल उपस्थित रही। इसके अतिरिक्त अन्य सदस्याओं ने भी अपनी अपनी सुविधानुसार अपने, घर, गार्डन, स्कूल आदि में पौधरोपण कर सहभगिता दर्ज कराईक इस प्रकार लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा पूरे माह में लगभग 250 पौधे रोपित कर MISSION TREES में अपना योगदान देकर सहभागिता निभाई है।

स्कुल स्टॉफ ने रोपे 10 प्रजातियों के 101 पौधे

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। झड़वासा कस्बे में सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के स्कुल स्टॉफ ने विद्यालय के निजामपुरा रोड़ पर नवीन खेल मैदान में 10 प्रजातियों के 101 पौधे रोपे। प्रधानाचार्य कौशल्या यादव ने बताया की हरियालो राजस्थान अभियान और श्रावनिक तीज के मौके पर समस्त स्कुल व झड़वासा महिला बाल व अधिकारिता विभाग के संयुक्त स्टॉफ ने विभिन्न 10 प्रजातियों के कम से 101 पौधे गेती फावड़े से नाली खोदकर रोपकर पानी भी पिलाया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य कौशल्या यादव ने सभी स्टॉफ को पौधों की सार सम्हार की भी जिम्मेवारी सोंपी और बताया की हमारे देश के प्रधानमंत्री व राज्य के मुख्य मंत्री की थीम एक पेड़ माँ के नाम पर हमारे राजस्थान को हरा भरा रखना हम सबकी जिम्मेवारी है। इस अवसर पर स्कुल स्टॉफ से उपप्रधानाचार्य सीमा स्वामी, हेमराज भाम्बी, जगदीश मोटिस, पुजा सिंघल, सुरेन्द्र शाहू, योगेश सोनी, दिनेश, राकेश, विष्णु, रमेश, शिवराज, चिरंजीलाल, सुमन सहाय, बरखा, रीता अग्निहोत्री, अनीता जैन, आरती शेर, अनुज, सुदेश, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी धर्म सिंह झड़वासा महिला बाल विकास व महिला अधिकारिता से ग्राम साथिन तारा देवी, कार्यकर्ता कांता टेलर, सीमा गुर्जर व सागर कंवर आदि उपस्थित थे।

वर्ष 2024 25 में किए गए कार्यों के लिए रोटरी क्लब नसीराबाद को ग्वालियर में मिले 12 अवार्ड

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । रोटरी क्लब नसीराबाद वर्ष 2024. 25 के अध्यक्ष मुकेश मित्तल ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राहुल श्रीवास्तव द्वारा ग्वालियर मैं आभार कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 76 क्लब के पदाधिकारीयो ने भाग लिया। इस आभार कार्यक्रम में रोटरी क्लब नसीराबाद को अपने उत्कृष्ट जनहित में समर्पित कार्यों के लिए 12 अवार्ड से सम्मानित किया गया । रोटरी क्लब के सभी सदस्यों ने तथा नसीराबाद के गणमान्य व्यक्तियों ने इन पुरस्कारों के लिए मुकेश मित्तल और उनकी टीम की बहुत तारीफ की है। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि डीआईजी अमित सांघी और अति विशेष अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने उद्बोधन मैं रोटरी की सराहना करते हुए कहा कि रोटरी सेवा कार्यों के लिए समर्पित सबसे अग्रणी संस्था है जब हम समाज सेवा एवं जन कल्याण के कार्य करते हैं तो जीवन उत्कृष्टता की ओर बढ़ता जाता है और जन सेवा के लिए किए गए कार्यों से मन में एक असीम शांति मिलती है। कार्यक्रम में नसीराबाद 2024.25 के अध्यक्ष मुकेश मित्तल असिस्टेंट गवर्नर नंदकिशोर गर्ग नवनीत राठी और संजय बेपटिस्ट ने भाग लिया

सखियां सोमवार मेले में जमकर छलकी मस्ती

उदयपुर के गुलाबबाग में महिलाओं-बच्चों की उमड़ी भीड़, सावन के हर सोमवार को यहां भरता है परम्परागर सखियां सोमवार का मेला

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सावन का तीसरा सोमवार गुलाबबाग में उमंग, उल्लास और उत्साह की बयार लेकर आया। झीलों के शहर उदयपुर के हृदयस्थल गुलाबबाग में परम्परागत रूप से लगने वाले सखियां सोमवार मेले में इस बार पहले से कहीं अधिक भीड़ उमड़ी। महिलाओं, युवतियों और बच्चों ने दिनभर मेले में जमकर मस्ती की। झूलों की चहक, ठेलों की चटक और खिलौनों की छनक के बीच गुलाबबाग का माहौल एकदम सावनमय नजर आया। गुलाबबाग के हाथी वाले पार्क में कीचड़ के बावजूद

महिलाओं व बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। चकरी और डोलर में बैठने की चाहत लिए बच्चे और महिलाएं एक-दूसरे का हाथ थामे कीचड़ में संभल-संभल कर आगे बढ़ते दिखाई दिए। हर किसी के चेहरे पर मुस्कान और आंखों में सावन की चमक थी। खाने-पीने के स्टॉल्स भी मेले की रौनक का खास हिस्सा बने। मालपुए, जलेबी, पकौड़ी, चाट और आइसक्रीम के स्वाद का युवतियों ने जी भरकर लुत्फ उठाया। बच्चों ने गुब्बारे, सीटी और खिलौनों की खरीदारी की तो महिलाएं चूड़ियों, बिंदियों, नेल आर्ट व रेडिमेड परिधानों की दुकानों पर खूब ठहरती नजर आईं। युवाओं में टैटू बनवाने का भी खासा क्रेज दिखा। मेहंदी और झूलों के साथ सज-धज कर आईं युवतियों की टोलियों ने फोटोज व सेल्फी से अपनी यादों को संजोया। मेले की चहल-पहल ने सावन को जीवंत कर दिया और यह मेला हर उम्र के लोगों के लिए मनोरंजन, मेलजोल और परम्परा का जीवंत उत्सव बन गया।

फोटो/रिपोर्ट : कौशल मूंदड़ा

आचार्य शशांक सागर जी ससंघ का हुआ रजत जयंती चातुर्मास कलश स्थापना आदर्श समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य शशांक सागर जी मुनिराज ससंघ का रजत जयंती (पच्चीसवाँ) चातुर्मास स्थापना समारोह साधु सेवा तीर्थ पदमपुरा रोड, जयपुर में बिना किसी बोली आदि के समाज समरसता के भाव से आदर्श आयोजन के रूप में सम्पन्न हुआ । आयोजन के संयोजक अनुज जैन बडजात्या के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान पद्म प्रभु के समक्ष दीप प्रज्वलन व मंगलाचरण के साथ हुआ , इधर समारोह के झण्डा रोहण का सुअवसर वहाँ उपस्थित श्रेष्ठी गजेंद्र कुमार , प्रवीण , विकास बडजात्या परिवार कामा वालों को प्राप्त हुआ । आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन श्रेष्ठी अशोक शकुन्तला चांदवड़ परिवार द्वारा किया गया तथा भक्ति भाव के साथ शास्त्र / जिनवाणी भेंट करने का सुअवसर श्राविका बुलबुल राजेश जी गंगवाल परिवार को मिला। सभी उपस्थित भक्त जनों द्वारा तीर्थंकरों , पूवार्चार्यों व आचार्य श्री की संगीतमय पूजन भव्यता से सजे अष्ट द्रव्यों के थालों से भक्ति के साथ की गई । मुख्य परामर्शदाता ओम प्रकाश काला मामाजी ने बताया कि इस आदर्श चातुर्मास के मुख्य कलश स्थापना का सौभाग्य श्रावक श्रेष्ठी कपूर चंद ,राकेश ,अनुज बडजात्या परिवार महेश नगर जयपुर को प्राप्त हुआ। आचार्य श्री ने अपने आशीर्वचन में कहा कि चातुर्मास जीव दया , तप , साधना , व स्वाध्याय का अवसर प्रदान करता है तथा जिसमे क्षमा वाणी जैसा पर्व समाज में सौहार्द का वातावरण बनाता है। कार्यक्रम के आयोजक आचार्य सन्मति शशांक वर्षा योग समिति के सतीश खण्डाका, राजेश , गजेन्द्र , मुकेश , ज्ञान चंद बस्सी , मुकेश निर्माण नगर , अरविंद राज श्री, हिमांशु जैन आदि ने भोजन पुण्यार्जक श्रेष्ठी कपूर चंद नेम कुमार कसेरा का विशेष धन्यवाद करते हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में जयपुर से मानसरोवर, झोटवाड़ा, जनकपुरी , प्रतापनगर , महेशनगर , मुरलीपुरा आदि कालोनियों , पदमपुरा , चंदलाई , निवाई , शिवदासपुरा , चाकसू आदि स्थानों के श्रावकों की गरिमामय उपस्थिति रही ।